मैथिली (प्रतिष्ठा)

बी०ए०(H) पार्ट - I

पेपर - I

बसंत कुमार

अतिथि शिक्षक

दिनांक 10-07-2024

दिनांक 09-07-2024 से 10.07.24

प्रकरण - विद्यापति

भावक रचना कयलनि, एहि सँ भारतीय आ मैथिल समाजक सांस्कृतिक दृष्टिसँ रक्षा भ' सकल। महाकवि संस्कृत आ अवहट्ठ मे रचना कए युग-युगसँ चलि अबैत परम्पराक पालन कयलनि। मैथिलीमे काव्यक रचनाक' क्रान्तिकारक परिचय दयलनि। महाकवि एक संग परम्परावादी आ क्रान्तिकारी रचनाकारक परिचय दयलनि।

विद्यापतिक संस्कृतमे एगारह गोट रचना उपलब्ध अछि। वर्षकृत्य, दानवाक्यावली, गंगावाक्यावली, गया पत्तलक, दुर्गाभक्तितरंगिणी, शैवसर्वस्वसार, भूपरिक्रमा, पुरुष-परीक्षा, विभागसार, लिखनावली, मणिमंजरी,

विद्यापतिक समस्त रचना संस्कृत, अवहट्ठ, आ मैथिलीमे अछि, विषय-वैविध्य एवं ज्ञान संकलनसँ युक्त हिनक रचनाकेँ ज्ञान-कोष कहल जाय त' अत्युक्ति नहि होयत।

महाकविक किछु एहन रचना अछि, जेकर विशेष रूपसँ चर्चा एहि प्रकारेँ अछि=

पुरुष-परीक्षा :—

ई कथा साहित्य थिक जे पंचतंत्र, हितोपदेश आ दशकुमार चरितक परम्परामे रचित अछि। नीति एवं उपदेशक उद्देश्यसँ ई पंचतंत्र परमात्माक रचना मानल जाइत अछि।

पुरुष परीक्षाक श्लोकक सौन्दर्य, ओज तथा रसमयता स्वतः सिद्ध करैछ जे विद्यापति संस्कृतोमे महाकविक श्रेणीमे अबैत छथि। पुरुष परीक्षा राजा शिव सिंहक आज्ञासँ लिखल गेल छल। एहिमे महमूद गजनवीसँ ल' महाकविक समय धरि कतेको वास्तविक घटनाक वर्णन भेल अछि। लार्ड विशप ऱ्हेरक परामर्शसँ 1830 ई०मे राजा कालीकृष्ण बहादुर एकरा अंग्रेजीमे अनुवाद कयने रहथि। J.C.S (I.A.S) परीक्षाक लेल सेहो ई पाठ्य पुस्तक छल।

शेष आगिला अंकमे